यूएस-क्यूबा संबंध: क्या यह एक नए अध्याय की शुरुआत है?

डॉ. स्तुति बनर्जी *

राष्ट्रपति बराक ओबामा और राष्ट्रपति राउल कास्त्रो ने, 11 अप्रैल, 2015 को, पनामा में अमेरिका के शिखर सम्मेलन में हाथ मिलाया, 1961 में दोनों देशों द्वारा संबंधों को समाप्त करने के बाद से यह एक अमेरिकी और एक क्यूबा राज्य प्रमुख के बीच पहली बैठक थी। व्हाइट हाउस ने यह भी घोषणा की कि अमेरिका क्यूबा को उन राज्यों की सूची से हटा देगा जो आतंकवाद को प्रायोजित करते हैं, इस तरह दशकों की शत्रुता के बाद राजनयिक संबंधों की बहाली के लिए एक बड़ी बाधा को समाप्त किया जाएगा। क्यूबा को लैटिन अमेरिका में वामपंथी उग्रवाद आंदोलनों का समर्थन करने के लिए इस सूची में शामिल किया गया था।

दोनों राष्ट्रपतियों के बीच यह बैठक, दोनों राष्ट्रों के संबंध बहाल करने की उनकी घोषणा के चार महीने बाद हुई और हवाना में अमेरिकी दूतावास खोलने के लिए उच्च स्तरीय बातचीत शुरू हुई। इस अवसर पर हवाना के साथ कैदियों की अदला-बदली की गई और जेल में बंद अमेरिकी ठेकेदार और 20 वर्ष से कैद एक अज्ञात अमेरिकी ख़ुफ़िया व्यक्ति को भी रिहा किया गया, जबकि अमेरिकी सरकार ने संघीय जेल से क्यूबा के पांच के नाम से परिचित जासूसी रिंग के शेष तीन सदस्यों को रिहा कर दिया।

घोषणाओं में इसे आकार, राजनीतिक संस्कृति और आर्थिक मूल्यों में भिन्न दो पड़ोसियों के बीच संबंधों के 'सामान्यीकरण' की शुरुआत के रूप में के रूप में वर्णित किया गया है। फिर भी, क्यूबा अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन की तुलना में अधिक नजदीक है। इस निकटता का अर्थ है कि अमेरिका के दक्षिणी राज्यों में विशाल क्यूबा प्रवासी आबादी है। घरेलू तौर पर, वे अमेरिका के राजनीतिक परिदृश्य के भीतर एक महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र बन रहे हैं। क्यूबाई प्रवासियों और अमेरिका में पैदा और बड़े होने वाले, क्यूबा के दूसरी पीढ़ी के युवाओं के साथ, संबंधों के सामान्यीकरण को आगे बढ़ता हुआ देखा जाता है। हालांकि, 'कास्त्रो शासन' से भाग कर आए हुए शुरुआती प्रवासी इस नीति का समर्थन नहीं करते। उन्हें लगता है कि क्यूबा में राजनीतिक क्षेत्र नहीं बदला है और वह अभी भी सरकार द्वारा नियंत्रित है।

पनामा में दोनों नेताओं के बीच बैठक को ऐतिहासिक कहा जा सकता है, लेकिन यह काफी हद तक प्रतीकात्मक था क्योंकि बैठक में कोई निर्णय नहीं हुआ था। हालांकि, संदेश स्पष्ट था कि भविष्य में इसी तरह की बैठकों में समझौतों और सहयोग जैसे ठोस निर्णय होंगे। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि उनके बीच मतभेद हैं, लेकिन वे इस पर भी सहमत थे कि वे एक-दूसरे के साथ व्यापार कर सकते हैं। क्यूबा से अमेरिकी व्यापार को फिर से शुरू करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी आवश्यक है, इसे जल्दी उठाए जाने की संभावना नहीं है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि संबंधों के विकसित होते ही इसे निरस्त कर दिया जाएगा। आव्रजन कानूनों और अमेरिकी दवाओं की नीति में व्यापक सुधारों के लिए समग्र रूप से अमेरिका और क्षेत्र के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता है। बहरहाल, इन मुद्दों पर और विशेष रूप से क्यूबा के संबंध में व्हाइट हाउस द्वारा उठाए गए कदमों से अमेरिका और लैटिन अमेरिका के बीच समग्र संबंध में सुधार होने जा रहा है।

इस क्षेत्र में, वाशिंगटन की नई क्यूबा नीति, उसकी लैटिन अमेरिका की नीति में लंबे समय से चली

आ रही अड़चन को दूर करने में मदद करेगी। यह अमेरिका को अपने दक्षिणी पड़ोसियों के साथ अधिक सकारात्मक और उत्पादक संबंध बनाने की अनुमति देगी। राष्ट्रपति डिल्मा रूसेफ़ पर राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) की जासूसी गतिविधियों के कारण ब्राज़ील के साथ अमेरिकी संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। राष्ट्रपति रूसेफ़ के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों पर ब्राज़ील में हालिया विरोध प्रदर्शन ने तनाव और बढ़ा दिया है। हालांकि, ब्राजील के राष्ट्रपति द्वारा जून में वाशिंगटन की संभावित यात्रा से सकारात्मक परिणाम आने की आशा है।

क्षेत्र की राजनीति में एक शक्तिशाली पक्ष ब्राजील के साथ अच्छे संबंधों से अमेरिका को वेनेजुएला और अमेरिका के बीच उत्पन्न मतभेदों को दूर करने में मदद मिलेगी। मार्च 2015 में, राष्ट्रपति ओबामा ने मानवाधिकार उल्लंघन और भ्रष्टाचार के आधार पर वेनेजुएला के सात अधिकारियों पर प्रतिबंध लागू किये। यह अमेरिकी कांग्रेस द्वारा 2014 में पारित किए गए कानूनों के अतिरिक्त है, जो लोगों के खिलाफ हिंसा के कृत्यों को अंजाम देने वाले अभियुक्तों के वीज़ा पर प्रतिबंध लगाने और निरस्त करने जैसे दंडों को अधिकृत करता है।

क्यूबा सहित अमेरिका और लैटिन अमेरिका के बीच अच्छे संबंध अमेरिका को गोलार्द्ध के अन्य प्रमुख लंबित मुद्दों को हल करने के लिए समर्थन इकट्ठा करने का अवसर देंगे। उनमें से अवैध मादक द्रव्यों की आवाजाही मुख्य है। अमेरिकी ड्रग्स नीति से नाराजगी बढ़ी है। ओबामा प्रशासन ने 'ड्रग्स पर युद्ध' शब्द को खारिज कर दिया है और इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए प्रत्येक देश को नीतियों के निर्माण के लिए अमेरिका के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। आव्रजन पर अमेरिकी नीति प्रमुख चिंता का दूसरा मुद्दा है। अमेरिकी प्रशासन के आव्रजन नीति में परिवर्तन किया है, जो कुछ अवैध प्रवासियों के लिए नागरिकता प्राप्त करना आसान बना रहा है, इससे सरकारों के दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाया है। वे अब अमेरिकी प्रस्तावों के लिए अधिक खुले हैं जो अवैध प्रवासियों के इस प्रवाह को रोकेंगे; जिनमें से अधिकांश नाबालिग हैं।

अमेरिका और क्यूबा के बीच संबंधों का सामान्यीकरण दोनों के लिए फायदेमंद होगा। यह अमेरिका को क्षेत्र के उन देशों के साथ संबंधों को बहाल करने की अनुमति देगा, जिन्होंने पारंपरिक रूप से अमेरिका को अपने घरेलू मामलों में हस्तक्षेप करने वाले के रूप में देखा है। क्यूबा के लिए, यह अमेरिका में बस गए क्यूबा के प्रवासियों के साथ संपर्क स्थापित करने में मदद करने के साथ ही आर्थिक विकास में भी सहायक होगा। दोनों देशों में वर्षों से चली आ रही विश्वास की कमी को दूर करना एक लंबी प्रक्रिया होगी। बहरहाल, लाभांश मतभेदों को दूर करता है।

*****

**डॉ.स्तुति बनर्जी, भारतीय विश्व मामले परिषद, नई दिल्ली में अध्येता हैं*

*

अस्वीकरण: व्यक्त मंतव्य लेखक के हैं और परिषद के मंतव्यों को परिलक्षित नहीं करते।